प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 3 (2019–20)

हिन्दी – ब (कोड–85)

कक्षा– 10

निर्धारित समय– 3 घंटे **अधिकतम अंक – 80**

सामान्य निर्देशः–

1. इस प्रश्न–पत्र में चार खंड हैं– क, ख, ग और घ।
2. सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
4. एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15–20 शब्दों में लिखिए।
5. दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30–40 शब्दों में लिखिए।
6. तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60–70 शब्दों में लिखिए।

खण्ड–क (अपठित अंश) 10

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 10

यह घटना उस समय की है जब गांधी जी दक्षिण अफ्रीका में थे। वहाँ उन्होंने हुकूमत की ज्यादती के खिलाफ आन्दोलन छेड़ रखा था। उनके आन्दोलन में अनेक भारतीय तन–मन–धन से शामिल थे। उन्हें लगातार प्रशासन के दमन का शिकार होना पड़ रहा था। पर वे डटे हुए थे। गांधी जी ने उसी समय सत्याग्रह और अहिंसा को अपना हथियार बना लिया था। दक्षिण अफ्रीका का तानाशाह जनरल स्मट्स उन्हें बार–बार जेल भेजकर लगातार उनका मनोबल तोड़ने की कोशिश में लगा हुआ था। ऐसा करके वह उनकी अहिंसावादी प्रवृत्ति को परखना भी चाहता था पर गांधी जी अनेक अत्याचार सहकर भी अहिंसा के मार्ग पर पूरी ताकत के साथ चल रहे थे। जेल में वह अपने साथ रह रहे कैदियों के साथ अत्यंत स्नेहपूर्ण व्यवहार करते थे। एक कैदी बहुत अच्छे जूते बनाना जानता था। गांधी जी ने जब उसकी इस कला को देखा तो उन्होंने उसका उत्साह बढ़ाया और उसकी कला की प्रशंसा की। कैदी अपनी प्रशंसा सुनकर बेहद खुश हो गया। इसके बाद गांधी जी ने स्वयं भी उससे जूते गाँठने की कला सीखने की इच्छा जाहिर की। कैदी खुशी–खुशी गांधी जी को जूते गाँठने की कला सिखाने लगा। जब गांधी जेल से रिहा होने लगे तो उन्होंने जनरल स्मट्स को एक पैकेट भेंट किया। पैकेट देखकर जनरल ने पूछा, गांधी जी क्या इसमें कोई बम है? जनरल की बात सुनकर गांधी जी विनम्रता से बोले– महोदय, यह मेरी तरफ से आपको मेरी विदाई का उपहार है। जनरल ने पैकेट खोलकर देखा तो वह हैरान रह गया। पैकेट के अंदर बहुत–ही खूबसूरत, हाथ से बने हुए सैंडल का एक जोड़ा था। इस अनोखे उपहार को देखकर एक पल के लिए जनरल द्रवित हो गया। वर्षों बाद गांधी जी के जन्मदिन पर जनरल ने उन्हें एक पत्र लिखा, आपके द्वारा बनाए हुए उन सैंडलों को मैंने गर्मियों में पहना हालाँकि अब मैं महसूस करता हूँ कि मैं उन्हें पहनने का सही हकदार नहीं हूँ। मैं आपकी विनम्रता और अहिंसा की प्रवृत्ति को नमन करता हूँ।

1. गांधी जी ने कहाँ के शासकों की क्रूरता के विरूद्ध आन्दोलन छेड़ा और क्यों? 2

उत्तर : गांधी जी ने दक्षिण अफ्रीका के शासकों की क्रूरता के विरूद्ध आन्दोलन छेड़ा था क्योंकि वहाँ पर रह रहे भारतीयों के साथ बहुत ही बुरा व्यवहार किया जाता था। उनके साथ तरह–तरह के भेदभाव किए जाते थे।

2. दक्षिण अफ्रीका का तानाशाह जनरल स्मट्स उन्हें बार–बार कहाँ और क्यों भेजना चाहता था? 2

उत्तर : दक्षिण अफ्रीका का तानाशाह जनरल स्मट्स उन्हें बार–बार जेल भेजता था क्योंकि वह उनका मनोबल तोड़ने की कोशिश में लगा हुआ था। ऐसा करके वह उनकी अहिंसावादी प्रवृत्ति को भी परखना चाहता था।

3. जैल में कैदियों के साथ गांधीजी का व्यवहार कैसा था और एक कैदी के साथ उन्होंने क्या किया? 2

उत्तर : जेल में कैदियों के साथ उनका व्यवहार अत्यंत स्नेहपूर्ण था। एक कैदी जिसे अच्छा जूता बनाना आता था, गांधी जी ने उसकी इस कला को देखा तो उसका उत्साह बढ़ाया और उसकी कला की प्रशंसा की।

4. गांधी जी के उपहार को देखकर कौन द्रवित हो गया और उसने गांधी जी को क्या लिखा? 2

उत्तर : गांधी जी के उपहार को देखकर जनरल द्रवित हो गया। उसने गांधी जी को लिखा, आपके द्वारा बनाए हुए उन सैंडल को मैंने गर्मियों में पहना हालाँकि अब मैं महसूस करता हूँ कि मैं उन्हें पहनने का सही हकदार नहीं हूँ। आपकी विनम्रता और अहिंसा की प्रवृत्ति को नमन करता हूँ।

5. गाँधीजी ने कैदी से कौनसी कला सीखने की इच्छा जाहिर

की? 1

उत्तर : जूते गाँठने की कला।

6. गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। 1

उत्तर : गांधी जी की विनम्रता

खण्ड–ख (व्यावहारिक व्याकरण) 16

2. शब्द किसे कहते हैं? 1

उत्तर : वर्णों के मेल से बना स्वतंत्र सार्थक ध्वनि **समूह** शब्द कहलाता है।

3. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए।

$1 \times 3 = 3$

1. गौरव ने अक्षय से नेपाल चलने के लिए कहा। (मिश्र वाक्य में)

उत्तर : गौरव ने अक्षय से कहा कि वह भी नेपाल चले।

2. अध्यापक ने समझाया और सब बच्चे तैयार हो गये। (सरल वाक्य में)

उत्तर : अध्यापक के समझाने पर सब बच्चे तैयार हो गए।

3. घंटी बजने पर सभी छात्र कक्षा में आए। (संयुक्त वाक्य में)

उत्तर : घंटी बजी और सभी छात्र कक्षा में आए।

4.

1. निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह कीजिए तथा समास का नाम लिखिए– $1 \times 2 = 2$

चंद्रशेखर, भाई–बहन

उत्तर : चंद्रशेखर– चन्द्र है शिखर पर जिसके (शिव) (बहुब्रीहि समास)

भाई–बहन–भाई और बहन (द्वंद्व समास)

2. निम्नलिखित विग्रहों के समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए। $1 \times 2 = 2$

लम्बा है उदर जिसका (गणेश जी), कमल के समान नयन

उत्तर : लम्बा है उदर जिसका– लम्बोदर (बहुब्रीहि समास)

कमल के समान नयन– कमलनयन (कर्मधारय समास)

5. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए। $1 \times 4 = 4$

1. मेरे को आज यहीं रहना है।

उत्तर : मुझे आज यहीं रहना है।

2. मैं मेरे घर जात है।

उत्तर : मैं अपने घर जाता हूँ।

3. एक सुरीले गीतों की पुस्तक चाहिए।

उत्तर : सुरीले गीतों की एक पुस्तक चाहिए।

4. गुरू जी से हिंदी पढ़ाई है।

उत्तर : गुरू जी ने हिंदी पढ़ाई है।

6. उचित मुहावरों द्वारा रिक्त स्थान को पूरा कीजिए।

$1 \times 4 = 4$

1. प्रधानाचार्य को देखकर बच्चे चंपत .....।

उत्तर : हो गए (चंपत होना)।

2. महेश की शैतानी देखकर उसके पिता का खून .....।

उत्तर : खौलने लगा (खून खौलना)।

3. पुत्री के विदेश से लौटने की खबर सुनकर माँ का चेहरा खिल .....।

उत्तर : उठा (खिल उठना)।

4. राकेश अपने माँ–बाप के लिए अंधे की ..... समान है।

उत्तर : लकड़ी के (अंधे की लकड़ी)।

खण्ड–ग 28

(पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक)

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 30–40 शब्दों में लिखिए। $2 \times 3 = 6$

1. तताँरा को क्रोध क्यों आया और उसने क्रोध में क्या किया?

उत्तर : तताँरा और वामीरों को आमने–सामने देखकर वामीर–ो की माँ क्रोधित हो उठी। उसने तताँरा को सबके सामने अपमानित किया। इसी बात पर तताँरा को भी क्रोध आ गया और उसने अपनी तलवार निकाली और उसे धरती में घोंप दिया। फिर उसे पूरी ताकत के साथी खींचते हुए दूर तक ले गया जिसके फलस्वरूप धरती के दो टुकड़े हो गए।

2. लेखक ने झेन परम्परा के अनुसार चाय पीने के बाद स्वयं में क्या परिवर्तन महसूस किया?

उत्तर : चाय पीने के बाद लेखक ने अनुभव किया कि उसके दिमाग की गति मंद पड़ती जा रही है। थोड़ी देर में बिल्कुल बंद भी हो गई। उसे लगा, मानो वह अनंतकाल में जी रहा है। यहाँ तक कि उसे सन्नाटा भी सुनाई देने लगा। चाय पीते समय लेखक के दिमाग में भूत और भविष्य दोनों उड़ गए। केवल वर्तमान क्षण उसके सामने था और वह अनंत काल जितना विस्तृत था।

3. पुलिस ने सभा होने के स्थान पर सर्वप्रथम क्या कार्य किया था?

उत्तर : पुलिस ने सबसे पहले भोर होते ही छः बजे उस जगह को घेर लिया था जहाँ मोनुमेंट के नीचे शाम को सभा होने वाली थी।

4. **तीसरी कसम** फिल्म को **सैल्यूलाइड पर लिखी कविता** क्यों कहा गया है?

उत्तर : सैल्यूलाइड का अर्थ है– फिल्म को कैमरे की रील में उतारकर चित्र प्रस्तुत करना। **तीसरी कसम** फिल्म को सैल्यूलाइड पर लिखी कविता इसलिए कहा गया है क्योंकि यह फिल्म कविता के समान कोमल भावनाओं से पूर्ण एक सार्थक फिल्म है। इस फिल्म की मार्मिकता कविता के समान है। इस फिल्म को देखकर कविता जैसी अनुभूति होती है।

8. समुद्र के गुस्से की क्या वजह थी? उसने अपना गुस्सा कैसे निकाला? 80–100 शब्दों में बताइये। 5

उत्तर : समुद्र के गुस्से की वजह यह थी कि उसकी सहनशक्ति को ललकारा गया था। कई सालों से बड़े–बड़े बिल्डर समुद्र

को पीछे धकेलकर उसकी जमीन हथिया रहे थे। बेचारा समुद्र लगातार सिमटता चला जा रहा था। पहले तो उसने अपनी फैली हुई टांगों को समेटा, फिर उकड़ूँ बैठा, फिर खड़ा हो गया। फिर भी जगह कम पड़ी तो उसे गुस्सा आ गया। समुद्र को जब गुस्सा आया तो उसे रोकना कठिन हो गया। गुस्से में आकर उसने अपनी लहरों पर दौड़ते तीन जहाजों को उठाकर तीन दिशाओं में फेंक दिया। एक वर्ली के समुद्र किनारे पर जा गिरा, दूसरा बांद्रा में कार्टर रोड के सामने औंधे मुँह गिरा और तीसरा गेटवे ऑफ इंडिया पर टूट-फूटकर सैलानियों का नजारा बना।

अथवा

प्रायश्चित करने के लिए लेखक की माँ ने क्या और क्यों किया? 80-100 शब्दों में बताइये।

उत्तर : लेखक के ग्वालियर वाले घर में कबूतर के एक जोड़े ने अपना घोंसला बनाया था। एक बार बिल्ली ने उनके दोनों अंडों में से एक अंडा तोड़ दिया। लेखक की माँ ने देखा तो वह बहुत दुखी हुईं। उन्होंने स्टूल पर चढ़कर अंडे को बचाने की बहुत कोशिश की। इस कोशिश में दूसरा अण्डा भी उनके हाथ से गिरकर टूट गया। कबूतर परेशानी में इधर-उधर फड़फड़ा रहे थे। उनकी आँखों में दुख देखकर लेखक की माँ की आँखों में आँसू आ गए। उसी गुनाह की माफी के लिए उन्होंने उस दिन का रोजा रखा और दिन भर कुछ खाया-पिया नहीं।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 30-40 शब्दों में लिखिए। $2 \times 3 = 6$

1. बिहारी ने किन बाहरी आडम्बरों का खण्डन किया है और क्यों? दोहों के आधार पर लिखिए।

उत्तर : कवि के अनुसार ईश्वर प्राप्ति के लिए किए जाने वाले विभिन्न क्रियाकलाप; यथा माला जपना, ईश्वर का नाम शरीर पर अंकित करना और मस्तक पर तिलक धारण करना, सब व्यर्थ है। इन बाह्य आडम्बरों को करने से कोई भी कार्य सिद्ध नहीं होगा। जब तक हृदय में प्रभु का वास नहीं हो जाता और मन सच्चा नहीं हो जाता। इस प्रकार कवि ने बाह्य आडम्बरों का खण्डन करते हुए सच्ची भक्ति को प्रधानता दी है।

2. मीरा ने अपने पदों में प्रभु के प्रति अपनी भावनाएँ कैसे व्यक्त की हैं?

उत्तर : अपने पदों में मीराबाई ने अपने आराध्य देव कृष्ण के प्रति अनन्य भक्ति-भाव को प्रकट किया है। उनके गिरधर गोपाल अपने भक्तों पर हमेशा दया का भाव रखते हैं। कवयित्री उनके गुणों से इतनी प्रभावित हैं कि उनकी दासी बनकर रहने में ही अपना परम सौभाग्य समझती हैं। श्रीकृष्ण के रूप-माधुर्य का वर्णन करते हुए वे मुग्ध हो उठती हैं। उन्होंने अपने पदों में कृष्ण से मिलने के लिए अधीरता व्यक्त की है।

3. (पोथी पढ़ि-पढ़ि जग मुआ,) इस पंक्ति में कवि ने किस पर व्यंग्य किया है?

उत्तर : **(पोथी पढ़ि-पढ़ि जग मुआ,)-** इस पंक्ति के माध्यम से कबीरदास जी ने उन लोगों पर व्यंग्य किया है जो शास्त्रों का ज्ञान तो बहुत रखते हैं परन्तु उनका मन पवित्र नहीं है, वे अपने धर्म-ज्ञान के अहंकार में ही फूले हुए हैं।

4. कवि ने कैसी मृत्यु को सुमृत्यु कहा है?

उत्तर : कवि के अनुसार संसार नश्वर है जिस मनुष्य ने इस संसार में जन्म लिया है, उसकी मृत्यु अवश्यंभावी है। इस संसार में उस मनुष्य की मृत्यु सुमृत्यु कही जाती है जिसके मरने के बाद लोग उसके सत्कार्यों के लिए उसे याद करें, उसके लिए आँसू बहाएँ, जो दूसरे लोगों की यादों में बसा रहे, जो परोपकार के कारण सम्मानीय हो, जो दूसरों के लिए प्रेरणास्रोत हो, ऐसी यशस्वी मृत्यु को ही कवि ने सुमृत्यु कहा है।

10. जीवन में विजय पाने का कवि ने कौन-सा मार्ग सुझाया है? आत्मत्राण कविता के आधार पर 80-100 शब्दों में बताइए। 5

उत्तर : कवि चाहता है कि जीवन में विजय पाने के लिए सबसे पहले दुख पर विजय पाना चाहिए। अपना आत्मविश्वास बनाए रखना चाहिए। इसका प्रयत्न करना चाहिए जिससे मन की शक्ति तथा पुरूषार्थ बना रहे। दुखों को सहन करना तथा उन पर नियंत्रण करने की हिम्मत तथा ताकत बनाए रखनी चाहिए। दुख की घड़ी में भी भयभीत न होकर निर्भय होकर आगे बढ़ें। यदि कोई सहायक न हो तो अपने बल और पौरूष के सहारे विजयी होने का प्रयास करें।

अथवा

तोप कविता का मूलभाव अपने शब्दों (80-100) में लिखिए।

उत्तर : **तोप** कविता ब्रिटिश शासन द्वारा कम्पनी बाग के मुहाने पर रखी गई तोप के बारे में है। यह तोप 1857 की है और सन् 57 की क्रांति को कुचलने में इसने भी भूमिका निभाई थी। फिलहाल विरासत की चीज मानकर साल में इसे दो बार चमकाया जाता है, इस पर रंग-रोगन किया जाता है। वरना अधिकांश समय या तो बच्चे इस पर बैठकर घुड़सवारी का आनंद उठाते हैं या चिड़ियाँ इस पर बैठकर गपशप करती हैं। किसी समय तोप अत्यंत शक्तिशाली क्यों न रही हो, वर्तमान में इसकी शक्ति क्षणी दिखाई देती है। इस प्रकार कविता में यह संदेश निहित है कि प्रत्येक अत्याचारी का एक दिन अंत होता है और यह बात केवल तोप के साथ ही नहीं बल्कि किसी व्यक्ति, साम्राज्य या शासन पर भी समान रूप से लागू होती है।

11.

1. **हरिहर काका** कहानी के आधार पर 60-70 शब्दों में स्पष्ट कीजिए कि लेखक ने यह क्यों कहा, अज्ञान की स्थिति में ही मनुष्य मृत्यु से डरते हैं। ज्ञान होने के बाद तो आदमी आवश्यकता पड़ने पर मृत्यु को वरण करने के लिए तैयार हो जाता है। 3

उत्तर : कहानी में महंत एवं काका के भाई उनकी जमीन अपने नाम करवाने की कई युक्तियाँ अपनाते हैं। महंत काका का अपरहण करवाता है। काका उनकी बातों से डर जाते हैं क्योंकि

तब-तक उन्हें सच्चाई का पता न था। काका के भाई भी काका को जान से मारने की धमकी देते हैं परन्तु उन पर धमकियों का काई असर नहीं होता। वे मृत्यु का वरण करने के लिए तैयार हो जाते हैं। वास्तव में इस समय तक उन्हें सच्चाई का ज्ञान हो जाता है कि मृत्यु तो एक दिन होनी है। फिर डर किस बात का? वे मृत्यु का वरण करने के लिए भी तैयार हो जाते हैं।

2. इफ्फन को टोपी ने सदा इफ्फन कहा, उसने बुरा नहीं माना? क्या नामों का अंतःकरण से कोई संबंध है? 60-70 शब्दों में अपने विचार लिखिए। 3

उत्तर : नामों का अंतःकरण से संबंध नहीं है। टोपी इफ्फन को यदि इफ्फन न कहकर इफ्फन कहता और उनमें गहरा लगाव न होता तो वह दोस्ती न कहलाती। किसी भी रिश्ते के लिए आवश्यक है मन का जुड़ना। अपने वे होते हैं जिनसे अपनापन मिले। जो अपनापन टोपी को अपने परिवार से नहीं मिला वह इफ्फन और उसकी दादी से मिला और इसी अपनेपन का अहसास इफ्फन को भी उतना ही था।

खण्ड-घ (लेखन) 26

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। 6

1. **देश प्रेम।**

   * देश के प्रति प्रेमभाव * बलिदान की भावना * भ्रष्टाचार खत्म करने के लिए संघर्ष करना * देश की छवि उज्जवल करने का प्रयास

2. **भाग्य और कर्म।**

   * आलस्य और भाग्यविधाता * कर्मठता एवं स्वावलम्बन * मनुष्य की पहचान कर्म से * उपसंहार।

3. **आज की बचत, कल का सुख।**

   * बचत का अर्थ * कारण * महत्त्व व सुख * भविष्य सुरक्षित

उत्तर :

1. देश प्रेम

देश प्रेम मनुष्य की सर्वोच्च भावना है, जो त्याग से सज्जित होती है। देश और समाज के उत्थान, कल्याण और रक्षा के लिए जो लोग स्वार्थ की संकुचित सीमाओं को तोड़कर आत्म-बलिदान करते हैं, वे आने वाली पीढ़ी का भविष्य उज्जवल करते हैं। गुरू गोविन्द सिंह के बच्चों को जिंदा दीवारों में चुनवा देना, जलियाँवाले बाग में भारतीयों को क्रूरता से भून डालना, सत्याग्रहियों पर लाठी चार्ज करना आदि बहुत-से ऐसे उदाहरण भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास के पन्नों में लिखे-अनलिखे हैं जो देशभक्ति की अमर निशानी हैं। त्याग और बलिदान से मिली आजादी को बनाए रखने के लिए हर नागरिक का कर्तव्य है कि अपनी हानि लाभ की चिंता न करे बल्कि प्राण-प्रण से देश-रक्षा करे, आतंकवादी गतिविधियों को पनपने न दे, सांप्रदायिकता का विष न फैलाए, कालाबाजारी, मिलावट जैसे कोढ़ को दूर करने में सरकार की मदद करे। अपनी शक्ति और सामर्थ्य द्वारा देश की शक्ति को बढ़ाए। जिस प्रकार बूँद-बूँद से घड़ा भरता है, उसी प्रकार नागरिक का छोटे से छोटा सार्थक प्रयास देश को मजबूती प्रदान करेगा। इन कार्यों से दुनिया में देश की छवि सुधरेगी।

2. भाग्य और कर्म

भाग्य और कर्म- ये दो विषय मनुष्य को विचार करने के लिए बाध्य करते हैं कि वस्तुतः मनुष्य की सर्वांगीण उन्नति के मूल में इनमें से किसका योगदान अधिक है। पुरानी कहावत है- **(दैव-दैव आलसी पुकारा,)** यानी आलसी लोग अकसर भाग्य की दुहाई देते हैं। उनका कहना है कि जब भाग्य सहायक हो तो सभी कार्य अनायास हो जाते हैं और सफलता चरण चूमती है। इसके विपरीत यदि भाग्य प्रतिकूल है तो सभी परिश्रम व्यर्थ हो जाते हैं किन्तु इतिहास साक्षी है, न जाने कितने महान और विश्वव्यापी व्यक्तियों ने केवल अपनी दृढ़ संकल्प-शक्ति और कर्मठता के बल पर अपनी आकांक्षाओं पर विजय पाई है। नेपोलियन की डिक्शनरी में असंभव-जैसा कोई शब्द न था। अब्राहम लिंकन-जैसा दरिद्र बालक एक दिन अमेरिका का राष्ट्रपति बना। लाल बहादुर शास्त्री अपने परिश्रम के बल पर भारत के प्रधानमंत्री बने। गीता में भी भगवान कृष्ण ने कहा है- **(कर्म पर तुम्हारा अधिकार है, फल पर नहीं)** अर्थात तुम निरंतर कर्म करो, फल की आकांक्षा न करो क्योंकि भाग्य उसी का साथ देता है जो स्वयं अपनी सहायता करता है।

3. आज की बचत, कल का सुख

मानव एक विवेकशील परन्तु महत्वाकांक्षी प्राणी है। हर समय वह अधिक से अधिक पाने के लिए लालायित रहता है। दिन-रात योजनाएँ बनाता और उन पर क्रियाएँ करता है ताकि उसका भविष्य सुखमय हो। बचत भी देखा जाए तो भविष्य सँवारने का ही एक प्रयास है। आज हर व्यक्ति अपनी कमाई का कुछ न कुछ अंश भविष्य के लिए सुरक्षित रखता है। किसी अनहोनी या दुर्घटना के लिए उसे पैसा सुरक्षित रखना जरूरी है। जीवन बीमा, स्वास्थ्य बीमा आदि भी इसी उद्देश्य के लिए ही करवाए जाते हैं। जो व्यक्ति बचपन से ही इस बचत की आदत को अपना लेता है, उसका भविष्य सुखमय और सुरक्षित हो जाता है क्योंकि आज की बचत कल का सुख होता है।

13. आपके इलाके का डाकिया समय पर डाक नहीं बाँटता, उसकी शिकायत करते हुए पोस्टमास्टर को एक पत्र 80-100 शब्दों में लिखिए। 5

उत्तर :

सेवा में,

क्षेत्रीय पोस्टमास्टर महोदय,

कृष्ण विहार रोड।

नई दिल्ली।
विषय : समय पर डाक न बाँटने की शिकायत।
महोदय,

हमारे क्षेत्र आर.के.पुरम्, सेक्टर–9 में पिछले एक महीने से एक नया डाकिया, जिसका नाम रविशंकर है, नियुक्त हुआ है। जिस दिन से वह आया है, पत्र समय पर नहीं मिल पाते। वह पत्र इधर–उधर डाल जाता है, जिससे कभी पत्र हवा में उड़ जाते हैं, कभी वर्षा के कारण भीग जाते हैं। कभी–कभी तो वह बच्चों के हाथ में ही पत्र पकड़ा जाता है। वह अपनी तरफ से अपनी ड्यूटी पूरी कर चाय की दुकान पर बैठ जाता है और आने –जाने वालों से गप्पे मारकर चला जाता है।

अतः आपसे निवेदन है कि इस डाकिये के विरुद्ध ठोस कार्यवाही करें ताकि लोगों को उनके पत्र मिलने में असुविधा न हो।
धन्यवाद
भवदीय/प्रार्थी
पवन
जवाहर मार्ग
नई दिल्ली।
दिनांक : 08 जुलाई, 2018

अथवा

आपने समाचार पत्र में **समाचारवाचन** के कोर्स के बारे में पढ़ा। आप उस संस्थान के पते पर एक पत्र 80–100 शब्दों में लिखकर कोर्स की अवधि, फीस, समय आदि की जानकारी प्राप्त कीजिए।
उत्तर :
जवाहर नगर,
नई दिल्ली।
दिनांक : 25, अगस्त, 2018

सेवा में,
प्रबंध निदेशक
मीडिया टेक हाउस,
दिल्ली।
महोदय,

आपके संस्थान द्वारा दिनांक 25 मार्च, 2018 के **हिंदुस्तान** समाचार–पत्र में कुछ कोर्सों के संबंध में विज्ञापन प्रकाशित किया गया था। मैं उन कोर्सों में से **समाचारवाचन** के कोर्स के बारे में जानकारी प्राप्त करना चाहता हूँ कि–

1. कोर्स कितनी अवधि का है?
2. कोर्स की कुल फीस कितनी है तथा यह एक मुश्त ली जाएगी अथवा किश्तों में?
3. कोर्स का समय कितने से कितने बजे तक का होगा? आदि।

कृपया कोर्स से संबंधित उक्त जानकारी को मुझे भेजने का कष्ट करें।
धन्यवाद
भवदीय
नमन

14. आप एस.एस.एम. पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य हैं। कक्षाओं में कुछ बच्चे सेलफोन लाते हैं। इस पर प्रतिबंध लगाने हेतु सूचना 40–50 शब्दों में जारी कीजिए। 5
उत्तर :

एस.एस.एम. पब्लिक स्कूल, रोहतक, हरियाणा

सूचना

दिनांक : 16 अप्रैल, 2018
विषय : विद्यालय में सेलफोन लाने पर प्रतिबंध।
ज्ञात हुआ है कि कुछ बच्चे कक्षा में सेलफोन लाते हैं। विद्यालय में सेलफोन लाना प्रतिबंधित है। यदि किसी बच्चे के पास सेलफोन पाया गया तो उसके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

हस्ताक्षर
कमल सिंह
प्रधानाचार्य

अथवा

विद्यालय द्वारा चिकित्सा जाँच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। स्वास्थ्य संगठन के सचिव होने के नाते कक्षा छठी से बारहवीं तक के सभी विद्यार्थियों को इसकी सूचना 40–50 शब्दों में प्रदान कीजिए।
उत्तर :

विकास पब्लिक स्कूल, नोएडा

सूचना

विद्यालय द्वारा कक्षा छठी से बारहवीं तक के छात्रों के लिए मुफ्त शिविर का आयोजन 20 अप्रैल, 2018 से 30 अप्रैल, 2018 तक किया जा रहा है। अनुभवी डॉक्टर व दंत चिकित्सक उपस्थित रहेंगे। जाँच के विवरण की प्रति अभिभावकों को दी जाएगी।

हस्ताक्षर
सचिव,
स्वास्थ्य संगठन

15. फास्ट फूड खाने के बारे में अनुज और मम्मी के बीच होने वाली बातचीत को लगभग 50–60 शब्दों में संवाद शैली में प्रस्तुत कीजिए। 5
उत्तर :

अनुज : मम्मी, मैं चाउमीन खाऊँगा। जल्दी से मँगा दो ना!
मम्मी : नहीं बेटे, मैं तुम्हें आज चाऊमीन नहीं खाने दूँगी।
अनुज : मगर क्यों मम्मी मुझे अच्छी लगती है। मँगा दो ना!
मम्मी : नहीं बेटे, तुमने परसों पाव-भाजी खाई थी, कल अपच हो गई और तुम्हें उलटियाँ आने लगीं?
अनुज : मगर मम्मी, यह मुझे ही क्यों होता है?
मम्मी : बेटे लगातार चाऊमीन, पिज्जा, बर्गर आदि खाने से हाजमा बिगड़ जाता है।
अनुज : ठीक है मम्मी, मैं आज से घर का बना हुआ खाना ही खाऊँगा, फास्ट-फूड नहीं।

अथवा

दो मित्र घनश्याम दास और राजकुमार बातचीत कर रहे हैं। उनकी बातचीत मादक द्रव्य और युवा पीढ़ी पर आधारित है। लगभग 50-60 शब्दों में उनके बीच संवाद लिखिए।

उत्तर :

घनश्याम दास : अरे मित्र राजकुमार! बहुत दिनों में दिखाई दिए। तुम तो ईद का चाँद हो गए हो।
राजकुमार : क्या बताऊँ, घनश्याम भाई। मैं समाज में फैले मादक पदार्थों के सेवन व इससे होने वाली हानियों के विरूद्ध एक एन.जी.ओ. द्वारा चलाए जा रहे अभियान में अग्रणी भूमिका निभा रहा हूँ।
घनश्याम दास : हाँ मित्र! यह परम आवश्यक है क्योंकि कुछ कुबुद्धि चंद चाँदी के सिक्कों के लिए देश के स्वर्णिम भविष्य को अंधकार रूपी गर्त की ओर धकेल रहे हैं। मुझे भी बताओ, मैं भी तुम्हारे साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करना चाहता हूँ।
राजकुमार : स्वागत है, मित्र।

16. नीचे दिये गये स्थान में से किसी विद्यालय की उपलब्धियों संबंधी का एक आकर्षक विज्ञापन 25-50 शब्दों में प्रस्तुत कीजिए। 5

उत्तर :

शिक्षा का मंदिर, उन्नति का द्वार,
जहाँ होते हैं सपने साकार!

कौशिक शिक्षा मन्दिर

- *सी.बी.एस.ई. में 85% बच्चों के 92% से अधिक अंक*
- *फूटबॉल में राष्ट्रीय ट्रॉफी विजेता*
- *क्विज़ में ज्ञानचंद प्रश्नोत्तरी विजेता*
- *सिविल सर्विसेज में प्रतिवर्ष 5-8 बच्चों का चयन*

अपने बच्चों के सपने साकार करवाएँ।
कौशिक शिक्षा मन्दिर में दाखिला करवाएँ ।।

अथवा

गर्मियों की छुट्टियों में आपने नृत्य संस्थान खोला है। उससे संबंधित लगभग 25-50 शब्दों में एक विज्ञापन का आलेख तैयार कीजिए।

उत्तर :

काम्या नृत्य संस्थान

हमारे यहाँ सभी प्रकार के नृत्य सिखाए जाते हैं, जैसे- कत्थक, एरोबिक, डिस्को डान्स, हिप-हॉप आदि, अनुभवी कलाकारों द्वारा नृत्य सिखाया जाता है।
शीघ्र से शीघ्र संपर्क करें।

प्रिया शर्मा
सुभाष कॉलोनी, आगरा
फोन नं. 9563585462

Download unsolved Version of this solved paper from www.cbse.online